पाठ 15

जड़ और फूल

गुलमोहर का एक पेड़ था। जब उस पर लाल फूलों के गुच्छे लगते तो वह गुलदस्ता जैसा लगता। एक बार फूलों को शैतानी सूझी। उन्होंने पेड़ की जड़ को बदसूरत कहा। उसकी खूब हँसी उड़ाई लेकिन जड़ चुप ही रही, कुछ भी न बोली।

बरसात आई । बादल जोर से गरजे ! बिजली जोर से चमकी ! फिर गुलमोहर पर आकाश से आग की लपट झपटी और बिजली गिरने से गुलमोहर झुलस गया। एकदम ठूँठ–सा हो गया।

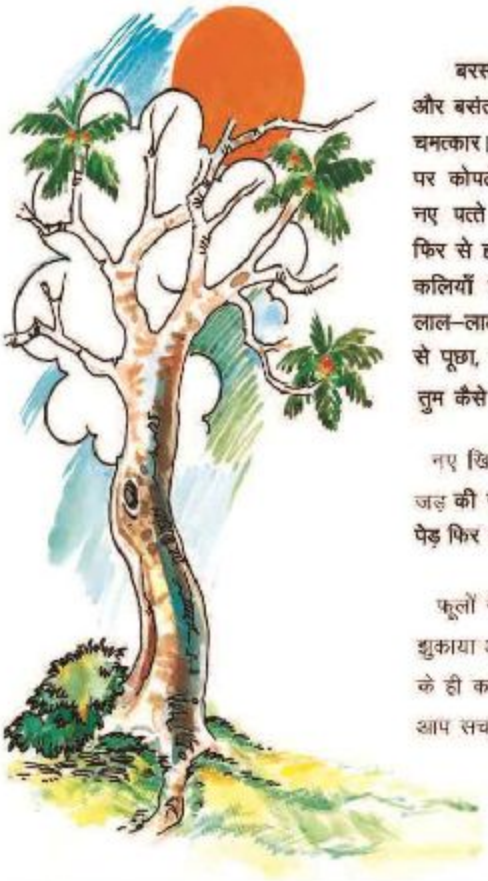

बरसात बीती, जाड़ा गया और बसंत आया, फिर हुआ एक चमत्कार। उसी गुलमोहर के ठूँठ पर कोपलें आईं। शाखाओं पर नए पत्ते निकले और वह पेड़ फिर से हरा-भरा हो गया। फिर कलियाँ बनीं और कलियों से लाल-लाल फूल। जड़ ने फूलों से पूछा, "कहो भाई फूल! तुम कैसे हो?"

नए खिले फूल समझते थे कि जड़ की सेवा और मेहनत से ही पेड़ फिर से पनपा है।

फूलों ने अपना सिर आदर से झुकाया और कहा, "हमने आप के ही कारण जीवन पाया है। आप सचमुच खूबसूरत हो।"

अभ्यास

1. उत्तर लिखो –

   क. फूलों ने जड़ की हँसी क्यों उड़ाई ?

   ख. गुलमोहर पर बिजली कब गिरी ?

   ग. नए फूलों ने जड़ को खूबसूरत क्यों कहा ?

2. नीचे दी गई सूची में कुछ चीजें आकाश की हैं और कुछ धरती की। इनकी अलग-अलग सूची बनाओ –

   इन्द्रधनुष हाथी फूल तारे बादल नदी चाँद

3. विलोम बताओ –

   बदसूरत आया नया सुख सीधा डर

4. तुमने बरसात में किसी तालाब को देखा होगा। गर्मी में इसी तालाब में क्या-क्या अंतर आ जाता है ? सोचो और लिखो।

5. बताओ- विद्यालय आते समय रास्ते में तुम्हें-

   - कौन-कौन से पेड़ दिखाई देते हैं?
   - कौन-कौन से पशु-पक्षी दिखाई देते हैं ?
   - यातायात के कौन-कौन से साधन दिखाई देते हैं ?

6. तुम्हारे अनुसार कोई चीज खूबसूरत कब होती है ?

7. हमें किनका सम्मान करना चाहिए और क्यों ?

8. सही बात पर ✓ का निशान लगाओ–

- पेड़ वातावरण को शुद्ध रखते हैं ? (हाँ / नहीं)
- हरे पेड़ों को काटना चाहिए ? (हाँ / नहीं)